तर्ज--दुश्मन ना करे दोस्त ने वो काम किया

लाड मेरे पिया तूने कैसा किया है
झूठी जिमी में सुख अर्श का दिया है

1--माया में हमें डाला और खुद भी आ गये
दे के वाणी हमें संभाल लिया है

2--मालिक हो दो जहां के महबूब तुम मेरे
एक मेरा तूं है तेरा नाम लिया है

3--आई हूं तोड़ सारी रस्मो रिवाज मैं
जामे इश्क पिया मैने तेरा पिया है

4--तुम ही हबीब मेरे तुम ही तबीब हो
शक न रही कोई तुझे जान लिया है

Nijanand App